Rajasthan Foundation
Connecting Non-Resident Rajasthanis

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS
10 DEC 2025 • JAIPUR

Rajasthan Foundation

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS

Confluence and Catalyst

Special Edition Newsletter 2025

#पधारोंआपणेदेस

Pravasi Rajasthani Divas Logo Launch

Hon'ble Chief Minister Shri Bhajan Lal Sharma unveiled the official logo of Pravasi Rajasthani Divas (PRD) on 24th September 2025, symbolizing Pride, Unity and Global Connection.

PRD 2025 marks a unified celebration of Rajasthan's heritage and progress. The event reflects our shared vision to:

- Strengthen global bonds with the Rajasthani diaspora
- Encourage meaningful collaborations
- Honour achievements and contributions of Pravasis

With prestigious awards, thematic sessions, dynamic networking opportunities and cultural showcases, PRD 2025 stands as a landmark moment in Rajasthan's journey of global engagement and rising aspirations.

भजन लाल शर्मा
मुख्य मंत्री, राजस्थान

सत्यमेव जयते

शासन सचिवालय, जयपुर-302005
दूरभाष नं. (का.)-0141-2227656, 2227647
फैक्स : 2227687

प्रिय प्रवासी बंधु,

राजस्थान केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं अपितु संस्कृति, परंपरा और मानवीय मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। अपने गौरवशाली इतिहास, समृद्ध विरासत और प्रगतिशील दृष्टिकोण के साथ यह प्रदेश आज विश्व पटल पर एक विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। इस पहचान के विस्तार और प्रतिष्ठा में हमारे प्रवासी राजस्थानी भाई-बहनों की भूमिका अत्यंत प्रेरणादायक है। आपने न केवल अपनी कर्मभूमि पर सफलता का परचम लहराया है, बल्कि अपनी मातृभूमि के संस्कारों और मूल्यों को गर्वपूर्वक विश्वभर में प्रतिष्ठित किया है।

राजस्थान सरकार प्रवासी राजस्थानियों से जुड़ाव को और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' का आयोजन प्रवासी राजस्थानियों के गौरवपूर्ण योगदान और अपनी मिट्टी से उनके अटूट संबंधों को सम्मान देने का एक प्रयास है।

राजस्थान फाउंडेशन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर चलाए जा रहे **'प्रवासियों की कलम से'** और **'प्रवासियों के योगदान'** अभियान एवं त्रैमासिक पत्रिका **'माटी रौ संदेश'** में प्रकाशित होने वाली प्रवासियों की रचनाएं आप सबके साथ जुड़ाव को और अधिक सुदृढ़ करने का एक अच्छा माध्यम बन रही हैं।

आपके विचार, अनुभव और उपलब्धियां राजस्थान की विकास यात्रा को नई दिशा और गति प्रदान करती हैं। आपका योगदान राजस्थान को आत्मनिर्भर, सशक्त और वैश्विक प्रतिष्ठा से सम्पन्न बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप इसी प्रकार अपनी जड़ों, संस्कृति और मातृभूमि से जुड़े रहें और राजस्थान को एक मॉडल स्टेट बनाने में राज्य सरकार का सहयोग करें।

शुभकामनाओं सहित,

(भजन लाल शर्मा)

Col Rajyavardhan Rathore
AVSM
Padam Shri, khel Ratna
Arjuna Award, Olympic Medalist

सत्यमेव जयते

Minister, Govt. of Rajasthan
Industry & Commerce
IT & Communication
Youth Affairs & Sports
Sainik Welfare
Skill Development & Entrepreneurship
Member of Parliament (2014-2023)
Former Union Minister, Govt. of India

13 नवंबर 2025

राजस्थान वह भूमि है जो अवसरों, संभावनाओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से अनुप्राणित है। राज्य सरकार की सकारात्मक और दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप प्रदेश में निवेश-अनुकूल वातावरण का निर्माण हुआ है, जिसने राजस्थान को निवेश, नवाचार और निवास तीनों के लिए एक आदर्श गंतव्य बना दिया है। आज प्रदेश की जो औद्योगिक और आर्थिक प्रगति हम देख रहे हैं, वह यह प्रमाणित करती है कि राजस्थान तेज़ी से प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्र के रूप में उभर रहा है। इस प्रगति में प्रवासी राजस्थानियों का सक्रिय सहयोग और योगदान वास्तव में अद्वितीय एवं प्रेरणादायी है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'विकसित भारत' के संकल्प के अनुरूप, राजस्थान सरकार 'विकसित राजस्थान' के निर्माण में प्रवासी राजस्थानियों की भूमिका को और अधिक सशक्त व सार्थक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। गत दो वर्षों में देश-विदेश में आयोजित 'प्रवासी राजस्थानी संवाद' कार्यक्रम इस साझेदारी, सहभागिता और भावनात्मक जुड़ाव का उत्कृष्ट उदाहरण हैं। ये मंच प्रवासियों को अपने अनुभव, ज्ञान और संसाधन साझा करने का अवसर प्रदान करते हैं तथा प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी को और सुदृढ़ करते हैं।

माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा जी की घोषणा के अनुरूप आयोजित होने वाला प्रथम 'प्रवासी राजस्थानी दिवस' एक ऐतिहासिक और अभिनव पहल है, जो प्रवासी राजस्थानियों की उपलब्धियों, योगदान और मातृभूमि से उनके गहरे भावनात्मक संबंध को सम्मानपूर्वक अभिव्यक्त करेगा। राजस्थान फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित 'माटी रौ संदेश' पत्रिका तथा वर्षभर संचालित गतिविधियाँ प्रवासी राजस्थानियों के अपने प्रदेश से जुड़ाव को और अधिक सार्थक, जीवंत और प्रेरक बनाती हैं। इस पत्रिका के विशेष संस्करण के सफल प्रकाशन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

शुभेच्छु,

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़

के.के. विश्नोई
राज्य मंत्री
राजस्थान सरकार

सत्यमेव जयते

उद्योग एवं वाणिज्य,
युवा मामले एवं खेल,
कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता
नीति निर्धारण विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर-302005
कार्यालय दूरभाष-0141-2701895

क्रमांक : मा.रा.मं./पीए/केकेवि/कैम्प कार्या./2024/R2627
दिनांक : 13 Nov. 2025

संदेश

प्रिय प्रवासी राजस्थानी बंधुओं.....

आप सभी को मेरा प्यार भरा नमस्कार।

राजस्थान एक प्रदेश से बढ़कर है, यह हमारी संस्कृति की धड़कन और विरासत का प्रतीक है और आप सभी उस विरासत के सच्चे प्रतिनिधि हैं। राजस्थान की मिट्टी से जुड़ा हर प्रवासी आज राजस्थान फाउंडेशन और सरकार की विकासशील पहलों के माध्यम से अपनी जड़ों से और अधिक गहराई से जुड़ रहा है। आप सभी विश्वभर में अपने परिश्रम और कर्मठता से न केवल अपनी सफलता की कहानी लिख रहे हैं, बल्कि विश्व पटल पर राजस्थान की एक अमिट छाप भी छोड़ रहे हैं।

हमारी समर्पित, दृढ़ और प्रगतिशील सरकार प्रदेश की प्रगति के लिए निरंतर प्रयासरत है। हम यह भली–भांति समझते हैं कि आपका वैश्विक अनुभव, आपकी विशेषज्ञता और आपकी उद्यमिता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। साथ ही आपका योगदान हमारे लिए सबसे मूल्यवान है। इसे आगे बढ़ाने, सम्मानित करने और आप सभी को एक मंच पर जोड़ने के लिए 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

मैं आप सभी से आह्वान करता हूँ कि अपनी मातृभूमि से जुड़ें। अपने विचारों, अपने सुझावों और अपने नवाचारों के माध्यम से इस महायज्ञ में अपना योगदान दें। राजस्थान फाउंडेशन आपके और हमारे बीच एक सेतु के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे प्रगतिशील राजस्थान का निर्माण करें, जो तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से सशक्त हो।

जय राजस्थान।

(के.के. विश्नोई)

वी. श्रीनिवास
V. Srinivas

सत्यमेव जयते

मुख्य सचिव
राजस्थान सरकार
Chief Secretary
Government of Rajasthan

Message

My dear Rajasthani friends,

It is a privilege to welcome you to the celebration of the first Pravasi Rajasthani Divas on 10th December, 2025 at Jaipur. Our global Rajasthani community plays a significant role in the State's socio-economic advancement. Your contributions have been instrumental in strengthening the economies of both India and Rajasthan.

Over the past months, our collective outreach has sparked inspiring conversations with Non-Resident Rajasthani communities within the country and abroad, through both virtual and in-person engagements. These interactions have strengthened our bonds with the diaspora and have also highlighted the immense potential of Rajasthan across key sectors such as renewable energy, logistics, petrochemicals, tourism, healthcare, education and agriculture.

The dialogue and partnerships we are nurturing today are shaping the future of Rajasthan. The investment-friendly policies of the State Government, the landmark MoUs, futuristic projects and international collaborations stand as a testament to our shared commitment to building a sustainable, innovative and prosperous State. These are not isolated efforts but part of a broader vision of *Viksit Bharat – Viksit Rajasthan*, where global expertise meets local ambition to unlock new opportunities for growth.

As we look forward to meeting our diaspora at this *Pravasi Mahotsav*, I am confident that the spirit of partnership will strengthen our collaboration and contribute immensely to our endeavour to place Rajasthan firmly on the global map.

My best wishes to the Rajasthan Foundation for this Special Edition Newsletter and for their continued commitment to strengthening the bridge between Rajasthan and its global diaspora.

Warm regards,

(V. Srinivas)

सत्यमेव जयते
Shikhar Agrawal
IAS

Additional Chief Secretary
Department of Industries,
MSME, SED, DMIC, Investment,
NRI & BIP

Dear Pravasi Rajasthani brethren,

Rajasthan's journey towards growth and transformation has been deeply strengthened by the unwavering support of its people, both within the State and outside. Our vibrant community has always been a significant partner in this journey, contributing to the State's socio-economic progress.

In the lead-up to the first Pravasi Rajasthani Divas, we celebrated the stories of resilience, pride and belonging across global Rajasthani community and fostered valuable spaces for dialogue and collaboration through physical and virtual meets. Each conversation reaffirmed the role of our Pravasi community in advancing the State's growth aligned with our vision of Viksit Rajasthan.

Insights, expertise and enthusiasm of our Pravasis continue to inspire us as we work towards building an ecosystem that nurtures innovation, attracts investment and encourages cultural exchange.

As we prepare to welcome Pravasi Rajasthanis in to Jaipur on 10th December 2025, I look forward to your support for building on this momentum. Together, we will script a future of prosperity, self-reliance and global recognition for Rajasthan.

I extend my best wishes to Rajasthan Foundation for the Special Edition of its Newsletter and commend their persistent efforts in linking the Pravasi Rajasthani community with the State's progress.

With warm regards.

Shikhar Agrawal

Dr. Manisha Arora
I.A.S.
Commissioner
डॉ. मनीषा अरोड़ा
आई.ए.एस.
आयुक्त

Rajasthan Foundation
Government of Rajasthan
राजस्थान फाउण्डेशन
राजस्थान सरकार

Message

Dear Pravasi Rajasthani Family,

It gives me immense pleasure to reach out to you through this Special Edition of RF Newsletter, which reiterates the deep and enduring bond between Rajasthan and its global family.

As a forerunner to the Pravasi Rajasthani Divas 2025, the Pravasi Rajasthani Meets held in Hyderabad, Surat and Kolkata created wonderful platforms to connect with our Pravasi brethren, learn their ideas and share the State's vision for growth. Rajasthan Foundation, now spanning 26 Chapters, has been strengthened with the Presidents and the Executive team of these Chapters joining hands with us.

At Rajasthan Foundation, we continue our endeavour to nurture and strengthen our association with the diaspora. We have enhanced accessibility for NRRs to enroll through the RF Membership Registration module and the Online Chapter Membership module. RF also offers quick-response channels, regular updates and community outreach to keep NRRs engaged and supported through physical and virtual modes.

We are heartened to bring out the second edition of the Coffee Table Book, dedicated to the inspiring journey of our Pravasis, that was launched by Hon'ble Chief Minister, Rajasthan in the Kolkata Pravasi Meet on 28th October, 2025. Your enthusiasm and participation inspire us to work harder in building a platform that is not just about dialogue, but about meaningful collaboration through a shared vision.

As we heartily welcome you to Jaipur on 10th December, 2025 for the debut Pravasi Rajasthani Divas, we also take pride in celebrating your outstanding achievements through the Pravasi Rajasthani Samman Awards, honouring those who have significant achievements and have contributed to our community and beyond. Every effort you make not only strengthens Rajasthan's socio-economic fabric but also inspires others to give back and grow with the State.

Thank you for being an integral part of this journey. We eagerly look forward to welcoming you in Jaipur, where we will celebrate the collective strength of our community, the unity of our spirit and our shared vision of growth and prosperity of Rajasthan.

With Warm regards,

(Dr. Manisha Arora)

Rajasthan's Global Connect: Pravasi Rajasthani Meets

Hyderabad, Surat and Kolkata

In the lead-up to **Pravasi Rajasthani Divas 2025,** Rajasthan Foundation, supported by Bureau of Investment Promotion, hosted a series of dynamic Pravasi Rajasthani Meets across Hyderabad, Surat and Kolkata offering wonderful opportunities for the Pravasi community to connect with the State, share ideas and explore collaborative growth avenues.

The **Hyderabad Meet,** held on 26th September 2025, witnessed the launch of the **Chapter Membership Module,** an easy-to-use online platform that enables Rajasthanis living in any Chapter's jurisdiction to register and become members effortlessly.

The **Surat Meet**, hosted on 8th October 2025, featured the launch of the **Rajasthan Foundation Brochure** by Hon'ble Chief Minister Shri Bhajan Lal Sharma. The brochure serves as a gateway for Rajasthanis worldwide to stay connected with their roots and contribute to the State's growth journey.

The **Kolkata Meet,** scheduled on 28th October 2025, saw the unveiling of the Second Edition of the Rajasthan Foundation **Coffee Table Book** by Hon'ble Chief Minister Shri Bhajan Lal Sharma. This Edition celebrates the indomitable spirit, achievements and global impact of Rajasthanis who continue to carry the essence of Rajasthan to every corner of the world.

Across all meets, individual achievements, philanthropy and contributions of NRRs to Rajasthan's socio-economic growth were recognized, alongside insightful discussions on business, investment, culture and community development, further strengthening global ties.

Tourism Pre-Summit Sets the Stage for PRD 2025

The Tourism Department successfully convened the Tourism Pre-Summit on 27th November 2025, offering a strategic preview of the sectoral sessions planned for the Pravasi Rajasthani Divas on 10th December 2025. The event brought together key industry leaders, policy makers and tourism stakeholders to explore new pathways for strengthening Rajasthan's position on the global tourism map.

The sectoral sessions will focus on advancing Rajasthan as a year-round tourist destination while also shaping its vision of becoming India's leading heritage, adventure, wedding, religious, rural and medical tourism destination. A distinguished panel of speakers and bloggers shared insights on how to make Rajasthan a year round destination and an exciting adventure tourism hub while elevating visitor experiences, enhancing infrastructure and boosting tourism-driven economic growth.

The Pre-Summit also featured engaging conversations on how films can promote Rajasthan as a tourism hotspot, the growth potential of rural tourism and medical tourism, expanding investment opportunities, economic development through tourism and pathways for sustainable and responsible Tourism.

A highlight of the Pre-Summit was the announcement of significant upcoming tourism policies & guidelines, aimed at encouraging new investments in hospitality sector, promoting entrepreneurship, expanding tourism opportunities across the State.

Pravasi Rajasthani Samvad Samaroh – Thiruvananthapuram

Rajasthan Foundation continued to strengthen its global outreach through the Pravasi Rajasthani Samvad Samaroh held on 3rd August 2025 in Thiruvananthapuram, Kerala bringing together members of the Rajasthani community from across India. The event, organized in collaboration with Rajasthan Sangh, was graced by Dr. Davendra Kumar Dhodawat, Additional Chief Secretary to the Governor of Kerala, Dr. Manisha Arora, Commissioner, Rajasthan Foundation, Shri Muhammad Junaid P.P., Nodal Officer of Rajasthan for Kerala.

The gathering highlighted the strong sense of unity among Rajasthanis and their active contributions to Kerala's cultural and socio-economic landscape. IAS officers of Rajasthani origin serving in Kerala also participated and shared their insights during the event.

Pune Welcomes the Launch of Rajasthan Foundation Chapter

The Rajasthan Foundation Pune Chapter was officially launched on 17th August 2025 with a special event — Pravasi Rajasthani Samvad Samaroh.

The launch was graced by Hon'ble Shri Jhabar Singh Kharra, Minister of State for Urban Development and Housing, Government of Rajasthan, who formally inaugurated the Chapter. Shri P.P. Chaudhary, Member of Parliament from Pali, Rajasthan, joined the event virtually and extended his best wishes to Chapter President Shri Mangal Chand Chaudhary and the entire executive team.

Addressing the gathering, the Commissioner of Rajasthan Foundation, Dr. Manisha Arora shared insights into the State Government's investment-friendly policies, emerging opportunities and initiatives for the welfare of Non-Resident Rajasthanis (NRRs). Dr. Arora emphasized that the Foundation serves as a bridge connecting Pravasis to their roots while encouraging them to actively participate in Rajasthan's growth story.

Virtual Connect for Pravasi Meets

As a build-up for the pre-events chaired by Hon'ble Chief Minister, Rajasthan, Department of Industries held virtual conferences with Rajasthan Foundation Chapters across Hyderabad, Surat and Kolkata. The VCs were joined by the concerned Pravasi coordinators, members of Laghu Udyog Bharati and Pravasi Prakoshth.

Hyderabad

During the discussion with RF Hyderabad Chapter President Shri Pawan Bansal on 5th September 2025, plans for the Pravasi Rajasthani Meet Hyderabad were reviewed. The discussion focused on identifying NRRs in the region who have contributed to Rajasthan's growth, encouraging the investors to participate in the State's socio-economic development and ensuring maximum participation of NRRs in the event.

Surat

In the VC with RF Surat Chapter President Shri Shyam Rathi and his team members, held on 8th September 2025, the focus was on the preparation for the Pravasi Rajasthani Meet Surat. Key highlights and strategies were shared to enhance the event's outreach and impact, reflecting the commitment, pride and global spirit of the Pravasi Rajasthani community.

Kolkata

During the discussion held on 1st October 2025 which was joined by Principal Secretary, Industries & Commerce, Shri Alok Gupta and RF Kolkata Chapter President Shri Santosh Kumar Purohit, preparations for the Pravasi Rajasthani Meet Kolkata were reviewed. The VC was also joined by Additional Chief Secretary, Rural Development Department, Rajasthan, Smt. Sreya Guha, who is the Officer-in-charge for West Bengal. The discussion focused on community outreach and event planning, along with identifying NRRs who have contributed to Rajasthan's development.

Run-up Virtual Connect for PRD

A series of VCs were convened for the outreach and preparation of Pravasi Rajasthani Divas. Participation and support from Domestic and International Chapter Presidents, Laghu Udyog Bharati, Pravasi Prakoshth, leading NRR industrialists and Pravasi Associations were sought through virtual conferences held on 26th June, 15th July, 24th July, 9th September, 12th September, 16th November, 20th November, 2025 and thereafter.

The VC on 11th November was also joined by Shri Ravikumar Surpur, Chairman, Rajasthan State Pollution Control Board, the Nodal Officer for Karnataka and Smt. Anandhi, Commissioner, Jaipur Development Authority, and Nodal Officer for Japan. The session focused on strengthening global engagement and encouraging Chapters to increase participation and contribute actively towards the development of their homeland.

During the interaction, the Commissioner RF urged all to register for PRD and be a part of this *Pravasi Mahotsav.* The participants were also informed about the dedicated team established to support Pravasis with registrations and provide assistance related to the event. The sessions concluded with the Commissioner addressing queries from members, ensuring clarity on event processes and reaffirming the RF's commitment to smooth coordination and strong diaspora engagement.

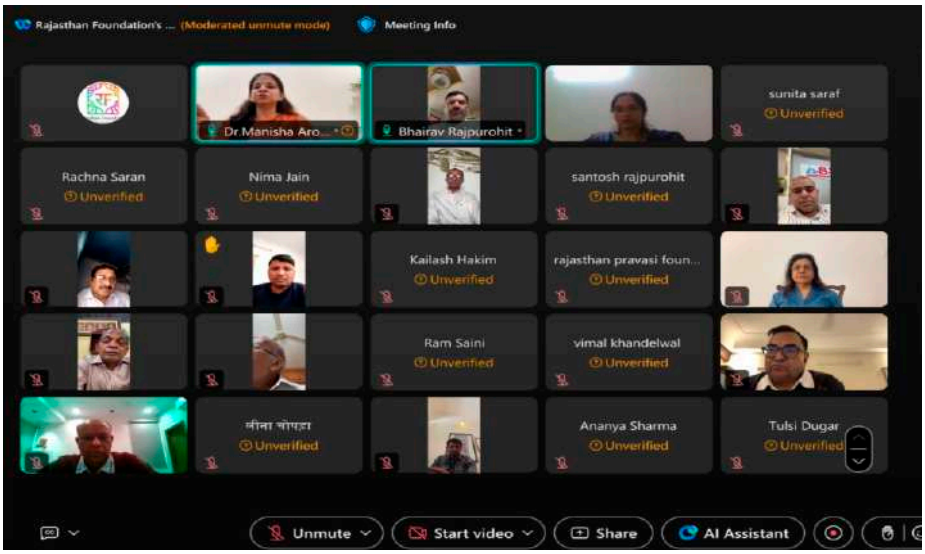

Initiatives for Diaspora

Department of Domestic and Overseas Rajasthani Affairs (DoRA)

A dedicated department for the Non Resident Rajasthanis has been constituted by the Government of Rajasthan. This new department has come in place in pursuance of the announcement made by Hon'ble Chief Minister Shri Bhajan Lal Sharma during the Pravasi Rajasthani Conclave held on 10th December 2024.

The primary objective of DoRA is to connect Non-Resident Rajasthanis living across India and abroad with the social, economic and cultural development of the State, to effectively leverage their knowledge, skills, investments and global networks for Rajasthan's progress and give a structured support to the NRRs as and when required.

The department will develop policy frameworks for engaging NRRs, facilitate their access to State Government schemes, promote investment and trade, strengthen cultural linkages and address issues related to the diaspora. Additionally, it will organize Pravasi Rajasthani Divas, felicitation ceremonies and various cultural and investment-related events.

Activities and issues related to Non-Resident Rajasthanis will be better coordinated through State and Central Government departments, Indian embassies, diaspora organizations and Rajasthan Foundation.

The formation of this department will create a robust platform for enhanced communication and cooperation between the Government of Rajasthan and the Rajasthani diaspora, strengthening their emotional and cultural bond with their homeland and ensuring their active participation in the State's socio-economic development.

To streamline assistance to the Pravasis, Additional District Collector has been designated as Nodal Officer in every district for redressal of grievances of NRRs.

Knowledge Series

Rajasthan Foundation continues to strengthen its engagement with the global community through virtual platforms like the **Knowledge Series,** which keeps the diaspora informed about the State policies and sectoral advancements. With two episodes already conducted on the **Start-up & AVGC-XR Policy 2024** and **RIPS 2024,** and more sessions in the pipeline, RF remains committed to fostering connections with Rajasthanis worldwide.

Coffee Table Book – Second Edition Launched in Kolkata

Hon'ble Chief Minister Shri Bhajan Lal Sharma unveiled the Second Edition of Rajasthan Foundation's exclusive Coffee Table Book on 28th October 2025 during the Pravasi Rajasthani Meet Kolkata. The Coffee Table Book stands as a record of the achievements, journeys and contributions of prominent Non-Resident Rajasthanis (NRRs) across the world. It reflects Rajasthan Foundation's continued commitment to recognising those who proudly carry the legacy of Rajasthan beyond its borders. Each featured profile highlights remarkable pathways of innovation, leadership and community impact showcasing how NRRs remain deeply rooted in their cultural identity while championing growth, excellence and progress worldwide.

Rajasthan Foundation Launches Chapter Membership Module

Hon'ble Chief Minister launched RF Chapter Membership Module during the Pravasi Rajasthani Meet – Hyderabad on 26th September 2025, an initiative designed to bring together Non-Resident Rajasthanis within the purview of the Rajasthan Foundation. The module offers an easy online registration platform, enabling Rajasthanis living in any Chapter's jurisdiction to become members effortlessly. It serves as a bridge connecting Pravasi Rajasthanis with the Rajasthan Foundation and with fellow community members, fostering a stronger sense of belonging and collaboration.

Objectives of the RF Chapter Membership Module:

- To create a unified digital platform enabling Rajasthanis worldwide to register and engage easily with their respective Chapters.
- To strengthen connections between Pravasi Rajasthanis, Rajasthan Foundation and the global Rajasthani community.
- To promote active participation of Rajasthani diaspora in social, cultural and developmental initiatives undertaken by RF.
- To ensure seamless access to membership services through an online registration facility.

The Chapter Membership Module represents a major step toward strengthening Rajasthan Foundation's global network, transforming connectivity into collaboration and collective progress.

Rajasthan Foundation Global Outreach

Rajasthan Foundation now proudly operates through 26 active chapters - 12 international and 14 domestic, reflecting its growing global presence and community outreach. Rajasthan Foundation Commissioner Dr. Manisha Arora greeted the Chapter Presidents and outlined their roles and responsibilities, encouraging them to foster stronger connections between Pravasi Rajasthanis and their roots, while promoting social, cultural and industrial contributions to advance Rajasthan's developmental journey.

PRAVASI RAJASTHANI DIVAS
10 DEC 2025 • JAIPUR

As per the announcement made by Hon'ble Chief Minister, Rajasthan Shri Bhajan Lal Sharma, the first Pravasi Rajasthani Divas (PRD) is being celebrated on 10th December 2025, marking a significant milestone in connecting Rajasthanis worldwide to their roots. This initiative reflects the Government's vision of enabling Non-Resident Rajasthanis (NRRs) to stay closely linked to their homeland while contributing to the State's growth and development, wherever they reside.

PRD also seeks to celebrate the invaluable contributions of NRRs who have remained connected with Rajasthan while excelling across diverse fields globally. The event provides a vibrant platform to celebrate Rajasthan's rich cultural heritage, reinforce diaspora ties and inspire future generations to engage, contribute and uphold the legacy of pride and excellence.

Pravasi Rajasthani Samman Awards 2025

Honouring Global Achievers

As part of the celebrations of Pravasi Rajasthani Divas, the Government of Rajasthan, through Rajasthan Foundation confers the Pravasi Rajasthani Samman Awards (PRSA) 2025.

The PRSA stands as one of the most prestigious recognitions for the Non-Resident Rajasthani (NRR) community worldwide, celebrating individuals of Rajasthani origin and organisations established or run by NRRs that have made outstanding contributions across diverse fields. From business, arts, social service and academia to innovation and leadership, the awards acknowledge excellence that transcends borders.

By honouring the achievements of the diaspora, PRSA 2025 not only highlights the global talent, vision and dedication of Rajasthanis but also strengthens the collective identity of Rajasthan on the world stage. These awards, to be presented during Pravasi Rajasthani Divas on 10th December 2025, stand as a testament to the enduring bond between Rajasthan and its global community.

#UtsavApnoKa- Global Diwali Celebrations

Diwali in Saudi Arabia

The Rajasthani community in Saudi Arabia celebrated Diwali with great enthusiasm and togetherness, supported by the Rajasthan Foundation – Riyadh Chapter. The celebration reflected the essence of Rajasthani traditions, festive spirit and shared joy, uniting the community in the spirit of *Utsav Apno Ka.*

Chicago Diwali Milan 2025

The Chicago Rajasthani Association hosted a joyous Diwali Milan celebration uniting the Rajasthani community across the U.S. The evening featured traditional cuisine, vibrant cultural performances and warm reunions. Mr. M. S. Chouhan from the Indian Consulate of Chicago was honoured with a turban ceremony, reflecting true Rajasthani hospitality. The Diwali celebration promoted Rajasthan's rich culture and traditions among the global diaspora.

Rajasthani Deep Utsav in Melbourne

The Association of Australian Rajasthanis Inc. hosted the Rajasthani Deep Utsav in Melbourne, celebrating Rajasthan's rich cultural legacy. The celebration featured Kalbelia and Ghoomar dances, traditional music, authentic cuisine and a fun '*Safa Tying*' competition, making it a joyful and memorable evening.

#UtsavApnoKa- Global Diwali Celebrations

Diwali Ball 2025 Lights Up Singapore

Rajasthan Foundation – Singapore Chapter, in collaboration with Marwari Mitra Mandal Singapore, hosted the grand Diwali Ball 2025 at the Ritz Carlton, Singapore. Filled with music, warmth and cultural pride, the Diwali Ball 2025 beautifully reflected the unity and festive spirit of the Rajasthani community abroad, strengthening bonds within the global diaspora.

Desert Meets Savannah: Rajasthan Foundation – Nairobi Chapter Launched

The Rajasthan Foundation – Nairobi Chapter was launched at a spectacular cultural evening titled *'Balam Choto So'*, jointly hosted by the Rajasthan Association of Kenya and the High Commission of India in Nairobi on 1 November 2025. The Chapter was officially inaugurated by Dr. Adarsh Swaika, High Commissioner of India to Kenya.

Dr. Swaika stated that such cultural collaborations deepen ties between India and Kenya, while the Rajasthan Association of Kenya extended gratitude to the High Commission of India and ICCR for their support in making the event a memorable celebration of Rajasthan's cultural spirit.

#Pravasiyonkikalamse

वीर शहीदों की कुर्बानी

वीर शहीदों की कुर्बानी
माँ भारती के तुम वीर सपूत,
तुमको नमन हमारा है,
जो देते हर पल सीमा पर पहरा,
ऐसे वीर की जननी को नमन हमारा है।

भारत माँ पर आँच जो आए,
यह दौड़े चले आते हैं,
रक्त अपना बहा करके यह,
माँ की रक्षा में प्राण गँवाते हैं।

15 अगस्त को मिली आजादी,
गुलामी की जिन जंजीरों से,
ना जाने कितने आजादी के परवानों ने,
इस आग में खुद को जलाया है,

तब जाकर यह आजादी का तिरंगा,
भारत में हमने फहराया है।
कारगिल विजय दिवस
यूँ ही ना हमने मनाया है,
हजारों माँ भारती के वीरों ने
अपना रक्त बहाया है।

आग से तपती भूमि पर,
और रक्त जमा दे नसों में जब,
उस भूमि पर भी दुश्मनों से,
लड़ने का जज्बा दिखाया है,
तब जाकर यह आजादी का तिरंगा
भारत में हमने फहराया है।

14 फरवरी को जब देश मना रहा था प्रेम दिवस,
वो वीर हमारे उस दिन भी
नफरत की आग में झुलस गए,
रंग लाल था उस दिन का,
कोई गुलाब के फूलों से खेले,
कोई खून की होली खेल गए।

हर वीर के चिथड़े - चिथड़े हुए,
भारत माँ की छाती लाल हुई,
एक माँ के कलेजे के टुकड़े,
आज टुकड़ों में घर आए हैं,
अपनी जान की बाजी लगा,
माँ भारती के कर्ज उतारे हैं।

माँ भारती तेरे वीर सपूतों ने
अपना फर्ज निभाया है,
तब जाकर यह आजादी का तिरंगा
भारत में हमने फहराया है।

विनीता धूत मुंदड़ा
गुवाहाटी (असम)
नवलगढ़ (झुंझुनू, राजस्थान)

आ भाषा राजस्थानी है

आ भाषा राजस्थानी है
या जलम भोम सूं भी प्यारी
सब भाषा री पटराणी है।
जिणने बोलण ने सुर तरसे
आ भाषा राजसथाणी है।।
मायड़ री कोंखा सूं बारे
इणरे ही मांही आयो हो।
ये बंटी बधाई घर घर में
अर सोहन थाल़ बजायो हो।।
इण मांही गुल्ला,घूंटी है
गावे इण मांय जचावां है।
इण मांही थूथक्यां राल़े है
गावे इण मांय बधावा है।।
इण मांही झगल्या टोपी जो
जीवण री शुरू कहाणी है।
मोत्यां सूं चोक पुरे इणमे
आ भाषा राजसथाणी है।।
बोलण लागे मूंडो खोले
रसना पर मायड़ आईज्ये।
घर मांय हुवे शुभकाज जदे
सब गीत ईणी में गाईज्ये।।
नान्यो सो गीगो होवे जद
ओ हालरियो हुलराईज्ये।
मारू री ओल़्यू में मरवण
मेड़ी चढ काग उड़ाईज्यै।।
रो रो ने राता नैण करे
आ लागी प्रीत पुराणी है
मोके मोके रा नेगचार
आ भाषा राजसथाणी है।।

इणमे ही गणपत नूते है
कुं कूं पतरी इणमे मांडे।
इणमे हल़दी रो डील भरे
नैणा कोंरा काजल़ काढे
इण मांय बंदोरा खावे है
इण में तोरण री रीत हुवे।
इण मांही चंवर्या मांडीजे
अर बना बनी रा गीत हुवे
इण में लाडेसर सासरिये
बिन पांख लग्या उड़ जाणी है।
सगल़ो परिवार तजे झुरतां
आ भाषा राजसथाणी है।
इण में ही बीरो बेहनड़ रे
आ ब्याव मांयने भांत भरे।
आणे टाणे तीवांरा पर सब
बैठ गवाड़ी खांत करे।।
इण में ही चकवो अर चकवी
सुख दुख री रात्यूं बात करे।
हे ईशवर मन रो मेल़ो है
मत उगतड़ी परभात करे।।
राजा राणी अर चिड़ा चिड़ी
री नानी कहे कहाणी है।
सुख सूं गोद्यां सूता सुणता
आ भाषा राजसथाणी है।।
सांचो इतिहास लिख्योड़ो है
हल़दीघाटी रे रज कण में।
सतरा बार हरायो है पीथल
गोरी ने जद रण में।
सूरजमल सूं हार्यो अकबर

उजल़ो जस मिल जावे इण में।
बारहठ प्रताप रो साहस भी
मंडियोड़ो आज मिले इण में।।
पदमण रो जोहर है इण में
हाड़ी री सिर सहनाणी है।
ओ सती शूरमा वीरां रो जस
भाषा राजसथाणी है।।

वासुदेव सिंह महियारिया
मुंबई (महाराष्ट्र)
राजपुरा कृत (अजमेर, राजस्थान)

My City Specials #Jaipur Mhari Jaan

Jaipur, the capital city of Rajasthan, the land of Maharajas and Maharanis is my hometown. I was born and brought up here and I have many beautiful memories of Jaipur with my family and friends. The city fondly known as Pink city is supposed to be the first planned city of India. The walled city was designed to be in pink colour as pink is considered the colour of hospitality. And without a doubt Jaipur is famous worldwide for its amazing hospitality that's why People from around the world come every year to visit the beautiful capital city of Rajasthan.

Amber Fort, Nahargarh, Jaigarh, Jal Mahal, Hawa Mahal and Jantar Mantar are some beautiful famous tourist attractions, undoubtedly a treat for eyes especially for the ones who have interest and inclination towards architecture. A combination of Rajputana and Mughal architecture can be seen in most of the buildings. Jaipur is also famous for its rich food and culture. Dal, Baati, Churma with ghee and Lehsun Chatni are served with lots of love in most restaurants. Various dance forms including Ghoomar and folk songs also add a charm to its rich culture and heritage.

Jaipur's gemstones, silver jewellery and handicrafts are also in great demand and are exported to many countries. Jaipur is also famous for light weight Jaipuri rajais, lehriya dupattas and sarees. I bet one cannot resist shopping here. And now my favourite, Jaipur ki Diwali, is worth a watch. The entire city dazzles with glittering lights. Johri bazar, Chaura Raasta are beautifully decorated and sparkle in its own elite way.

Beyond the walled city, Jaipur's modern side is equally captivating. Places like Ram Nivas Bagh, Albert Hall, Statue Circle, Birla Mandir, Peacock garden, Patrika Gate, Jawahar Kala Kendra, Birla Planetarium and Ravindra Manch are must-visits. The landscaping near these areas is worth admiring. Jawahar Kala Kendra and Ravindra Manch host various programs and exhibitions to promote art and culture.

Jaipur is also renowned for its textile printing and handmade paper industry, with Sanganer's Sanganeri print bedsheets and sarees being famous worldwide. The city's performing arts scene thrives, with the Jaipur gharana for Kathak being a notable example. For an authentic experience, visit Chokhi Dhani village, which showcases Rajasthani food, culture and traditions.

If you go, do try some famous heritage properties for stay to get a feel of royal living. We Rajasthanis take pride in being great hosts and our vibrant culture is reflected in our joy and happiness. Padharo mhare shehar (my city) and experience the best of Jaipur!

Arti Mathur
Bengaluru (Karnataka)
Jaipur (Rajasthan)

राजस्थान: शौर्य और सौंदर्य की धरती

रेगिस्तान की सुनहरी रेत, हवाओं में है शौर्य का गान,
वीरों की गाथाएँ कहतीं, यह है राजस्थान, यह है राजस्थान।
चित्तौड़ की जौहर कथा, मेवाड़ का अद्भुत अभिमान,
महाराणा प्रताप की गाथा, आज भी गूँजती हर स्थान।
रणथम्भौर की गाथा वीरों की, कुम्भलगढ़ की दीवार महान,
इतिहास की धड़कन है यह, साहस का अनुपम अभियान।
जैसलमेर का स्वर्ण किला, जैसे सूरज की किरण उतर आई,
उसकी पीली रेत में, अनंत स्मृतियाँ सजाई।
उदयपुर की झीलों में, शांति का संगीत बहता है,
सिटी पैलेस की शोभा से, पर्यटक मन बहलता है।
जोधपुर की नीली गलियाँ, मेहरानगढ़ का किला ऊँचा,
हर पत्थर बयां करता है, वीरों का हृदय सपूत सच्चा।
जयपुर का हवा महल, गुलाबी नगरी का अभिमान,
राजसी वैभव से भर देता, हर आगंतुक का मन-प्राण।
अजमेर की ख़्वाजा दरगाह, आस्था का है प्रतीक,
पुष्कर का मेला रंगों से, कर देता मन अतीव संगीत।
थार के रेगिस्तान की लहरों में, ऊँट की टाप सुनाई देती,
मिट्टी में रंगीन कथाएँ, लोकगीतों में समाई रहतीं।
कालबेलिया, घूमर की थाप पर, पाँव स्वयं थिरक उठते,
राजस्थानी लोकनृत्यों में, जीवन के रंग झलक उठते।
पगड़ी, ओढ़नी, घाघरा-चोली, संस्कृति का अनुपम श्रृंगार,
राजस्थान की वेशभूषा है, परंपरा का अद्भुत उपहार।
मिर्ची बड़ा का तीखापन, दाल-बाटी-चूरमा का स्वाद,
घेवर, गट्टे की सब्ज़ी संग, हर थाली बने अनोखा प्रसाद।
केसरिया रंग में रचा-बसा, हर त्योहार यहाँ निराला,
गाँव-गाँव में गूँज उठता, लोकनृत्य का स्वर मतवाला।
तीज हो या गणगौर, गली-गली में सजता उत्सव,
राजस्थान का हर पर्व बन जाता है मिलनोत्सव।
पग-पग पर मेहमाननवाज़ी, दिल खोलकर सत्कार किया,
अतिथि देवो भवः का, सच्चा अर्थ यहाँ उतार दिया।
इतिहास, संस्कृति, भोजन, पर्यटन, सब कुछ है यहाँ महान,
भारत का गौरव है ये धरती, यह है राजस्थान, यह है राजस्थान।

राजेंद्र गिल
पुणे (महाराष्ट्र)
जोधपुर (राजस्थान)

लघुकथा- गोटेदार लहंगा

..सुनो।

...हूँ।

...एक गोटेदार लहँगा सिलवाना है.., कुछ झिझकते, कुछ सकुचाते हुए उसके बच्चों की माँ बोली।

....हूँ.....हाँ...फिर सन्नाटा।

...अरे हम तो मज़ाक कर रहीं थीं। अब तो बच्चों के लिए करेंगे, जो करेंगे।...तुम तो यूँ ही मन छोटा करते हो...।

प्राइवेट फर्म में क्लर्की, बच्चों का जन्म, उनकी परवरिश, स्कूल-कॉलेज के खर्चे, बीमारियाँ, सब संभालते-संभालते उसका जीवन बीत गया। दोनों बेटियाँ अपने-अपने ससुराल की हो चलीं। बेटे ने अपनी शादी में ज़िद कर बहू के लिए जरीवाला लहंगा बनवा लिया था। फिर जैसा अमूमन होता है, बेटा, बहू का हो गया। आगे बेटा-बहू अपनी गृहस्थी की गाड़ी खींचने लगे।

बगैर पेंशन की ज़िंदगी कुछ ही सालों में उसे मौत के दरवाज़े ले आई। डॉक्टर भी घर पर ही सेवा करने की कहकर संकेत दे चुका था।

उस शाम पत्नी सूनी आँखों से छत तक रही थी।

....डागदर-वागदर छोड़ो। देवी मईया तुम्हें ठीक रखेंगी। तुम तो कोई अधूरी इच्छा हो तो बताओ.., सच को समझते हुए धीमे-से बोली।

अपने टूटे पलंग की एक फटी बल्ली में बरसों से वह कुछ नोट खोंसकर जमा करता था। इशारे से निकलवाए।

....बोलो क्या मंगवाएँ? पत्नी ने पूछा।

....तुम गोटेदार लहंगा सिलवा लो..! वह क्षीण आवाज़ में बोला।

संजय भारद्वाज
पुणे (महाराष्ट्र)
रायपुरा (सीकर, राजस्थान)

बटाऊ गीत

अरे बटाऊ तू कोण दिसा में जावे,
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
छोड़ आ मख़मल जेड़ी रेत
बटाऊ तू कोण दिसा में जावे।
सुंदर सुभूमि थार देस
रेगिस्तान री हवा, सुनहरी रेत।
किला,हवेली, गलीअर् मंड्याँ
तीन द्वार गूँजावे रे
बटाऊ (1)
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
छोड़ ओ रंग रंगीलो देस।
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।
चम्बल-बाणगंगा, झील-समंदर पासै,
अरावली री चोट्यां झूमे गावे।
वीरता , स्वाभिमान की कथा कहानी,
हर गाँव में सुनावे रे बटाऊ (2)
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ गौरव गाथा रो देस।
छोड़ आ मख़मल जेड़ी रेत
बटाऊ तू कोण दिसा में जावे।
लोक देवी,देवता,संत और संप्रदाय
चारण कवि,सरल कथा सुनावे
धान का खेत, झूले, गाँव री बस्ती,
प्रीत रो रंग दिखावे रे
बटाऊ [3]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
माटी महकतो देस,
तू कोण देस में जावे।
साँभर झील रा पंखी सुर संग गीत सजावे
सूरज ढलतो देख,सोना जिसी रेत पे आवे
थार री बयार, रात री चाँदनी,
सपना-उम्मीद गूँजावे रे बटाऊ [4]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
छोड़ सुगंध बिखरतो ,
प्रकृति को प्यालो देस।
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।
जोधपुर री हवेली, उदयपुर रो किला,
भीलवाड़ा, चित्तौड़ री वीरता गावे रे।
राजस्थान री रंग, लोकगीत री मिठास,
मन मन में बहावे रे
बटाऊ [5]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
छोड़ ओ म्हारो इतिहासो ,
गौरव गाथा रो देस।
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।
छाछ राब रो खाण,हथलेवा रो पान,
संस्कृति रो मान,राजस्थान री शान
ब्रिज, ढूढांढ, मेवाड़, मारवाड़ और हाडोती,
गाँव गाँव में अपनापन गावे रे।
बटाऊ [6]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस
, संबंध जोड़तो,
भाषा रो गौरव देस
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।
भाँत भाँत का मेला अर् तीज त्यौहार,
सकरांत की पतंगा,गीदन्ड, धुलंडी चंग बजावे,
ख्याल, हेला रम्मत भवाई भोपा
लोक संस्कृति री गूंज बणावे। रे।
बटाऊ [7]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस
लोक रस भरतो,
संस्कृति रो रंगीलो देस।
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।
नदी, पोखर ऊँचा पर्वत
प्रकृति री साज जगावे
तोता बोले, पपीहा गाए,
सारो रंग राजस्थान में ही तो छावे रे बटाऊ रे।
बटाऊ [6]
तू कोण दिसा में जावे
छोड़ ओ मरुधर वालो देस,
छोड़ आ मख़मल जेड़ी रेत,
माटी महकतो देस,
जीवन जननी रो देस।
बटाऊ
तू कोण देस में जावे।

इंदु बारोट (चारण)
लंदन (यूके)
जयपुर (राजस्थान)

शौर्य और संस्कृति की धरती- राजस्थान

रानी पद्मावती, पन्नाधाय, मीराबाई के
त्याग, प्रेम, सौन्दर्य की धरा है राजस्थान
भुलाया नहीं जा सकता
इन वीरांगनाओं का बलिदान
इतिहास के पन्नों पर
आज भी है इनकी आन बान और शान

पृथ्वीराज, महाराणा प्रताप,
राणा सांगा का स्वाभिमान
रणथंभौर, चित्तौड़, हल्दी घाटी का
मैदान करता इन शूरवीरों का बखान
ऐसे शौर्य, तप, ज्ञान
की गौरव गाथा गाता है राजस्थान

महलों और किलों की है अपनी दास्तान
मरुस्थल और झीलों से है जिसकी पहचान
Pink City जयपुर है इसकी जान
विश्व में बढ़ाता है भारत का मान
ऐसा है रंग रगीला मेरा राजस्थान

राजशाही पहनावा और आभूषण
बाजूबंद, लाख और सीप के कंगन
घूमर,कठपुतली और कालबेलियां
बंधेज, चूंदड़ी और लहरिया
मेले, तीज और त्योहार, अनूठा है श्रृंगार
ऐसा है मेरा नखराला राजस्थान

दाल-बाटी चूरमा, घेवर, फीणी और मालपुआ
अद्भुत है यहाँ का शाही खानपान
करते हैं मेहमान नवाजी,
मान – मनुहार और सम्मान
यही है राजस्थान का अभिमान

केसरिया बालम आवोनी .....
पधारो सा म्हारे देस
दिल से दिल को जोड़ता है यह सन्देश
अतिथि देवो भवः ...यही है इस मरुधरा की शान
जिस पर हमें है गुमान
ऐसा प्यारा रंग रंगीला नखराला है "आपणो राजस्थान"

सारिका जैथलिया
दार ए सलाम (तंजानिया)
अजमेर (राजस्थान)

कुएँ का दुःख

भरता पत्थर ठण्डी साँसे
छुपी कहानी गहरी है।
बूढ़ी रस्सी की आहट में,
प्यास अभी भी ठहरी है।
टूटी सीढ़ी के पायों पर,
देखी स्वप्निल परछाईं
गीत उकरना भूल, झाँकते
मैले जल की गहराई,
सर्द हवा में डोर डोलती
सूना है पनघट प्यारा
चिढ़ा रही है पड़ी डोलची
बीत गया सावन सारा
हँसी ठिठोली करती,भरती
बालाओं के गीत कहाँ
बीत गया जुग, छोड़ गए सब
कुआँ सोचता रहा यहाँ
मीठा बरसाती पानी जब
कुएँ में था भर आता
चहल-पहल नवजीवन भरता
गीतों में रस घुल जाता
चिकनी माटी से चमकाती
जिस मुंडेर को हाथों से
मोर,पपीहा,दादुर को भी
रही लुभाती बातों से
चिढ़ा रही मुँह टूटी ईंटे
सूखे पत्ते बिखर रहे
काग, नाग का हुआ बसेरा
कुआँ मौन हो दुःख सहे!

पुष्पा सोनी
गुवाहाटी (असम)
नागौर (राजस्थान)

(Disclaimer: Rajasthan Foundation will not be responsible for the veracity, accuracy or any liability arising from the content or write-ups shared by the Pravasis. The articles published here are solely those shared by the contributors.)

#पधारोंआपणेदेस

राजस्थान रा प्रवासीयां री कलाकारी

Pranjal Soni (Age: 13 Years) | Heilbronn (Germany) | Kota (Rajasthan)

Nidhi Kulkarni (Age: 39 Years) | Canada | Jaipur (Rajasthan)

Ramgopal Kumawat (Age: 49 Years) | Vadodara (Gujarat) | Sikar (Rajasthan)

Scan & Follow Our

Social Media Handles

Instagram

Facebook

Linkedin

X (Twitter)

Rajasthan Foundation

Connecting Non-Resident Rajasthanis

Yojana Bhawan, Yudhisthir Marg, C-Scheme, Jaipur-302005

0141-2229091, 2229111, 2222671

rajfound-rj@nic.in,rajfoundation@rajasthan.gov.in

www.foundation.rajasthan.gov.in

RF Website

RF Registration